

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त,  
खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले अनुभाग-1 देहरादून : दिनांक 28 फरवरी, 2018

विषय :- अनुदान संख्या-25 के लेखाशीर्षक-2408 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय व्ययक में प्राविधानित धनराशि को पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-610/3(150)XXVII(1)/2017, दिनांक-30.06.2017 तथा शासनादेश संख्या-722/XIX-1/17-09/2017, दिनांक-21.07.2017 एवं आयुक्त, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्र संख्या-2432, दिनांक-01.02.2018 के क्रम में, मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय व्ययक में प्राविधानित धनराशि में से, पुनर्विनियोग प्रपत्र, बी0एम0-09 के अनुसार रू0-10 हजार (रू0-दस हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन, व्यय करने हेतु, आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- (1)- व्यय करने से पूर्व यथार्थि सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाये।
- (2)- स्वीकृत की जा रही धनराशि को दिनांक-31.03.2018 तक उपयोग करके उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।
- (3)- अवशेष धनराशि यदि कोई बचती है तो उसे वित्तीय वर्ष के अंत में नियमानुसार शासन/वित्त विभाग को समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- (4)- स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष मात्र उस सीमा तक ही धनराशि का आहरण कोषागार से किया जायेगा जिस सीमा तक दिनांक-31.03.2018 तक वास्तविक रूप से व्यय किया जाना संभव हो।
- (5)- जिन मदों से उपरोक्तानुसार पुनर्विनियोग किया जा रहा है उन मदों में इस वित्तीय वर्ष के अंत तक धनराशि की मांग नहीं की जायेगी।